राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2)

JICA द्वारा ऋण एवं राज्य सरकार की वित्तीय सहायता से संचालित

संवाद पत्र

अंक - 9 जनवरी से मार्च 2018

परियोजना क्रियान्वयन के सात वर्ष पूर्ण

जनवरी – मार्च 2018 तिमाही की समाप्ति के साथ ही परियोजना क्रियान्वयन के सात वर्ष पूर्ण हो गए हैं। ज्यादातर भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति पिछले वित्तीय वर्ष तक ही हो चुकी थी और शेष लक्ष्यों की प्राप्ति वर्ष 2017–2018 में हो गई है।

वनीकरण के अन्तर्गत बाकी बचे 5758 हैक्टेयर मे वृक्षारोपण कार्य पूर्ण कर लिया गया। जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण में लगातार दूसरे वर्ष उल्लेखनीय उपलब्धि रही तथा एनीकट निर्माण के लक्ष्य को लगभग 90 प्रतिशत हांसिल कर लिया गया। बाकी संरचनाओं के निर्माण का निर्धारित लक्ष्य भी 100 प्रतिशत प्राप्त कर लिया गया।

आजीविका संवर्द्धन के अंतर्गत अब तक कुल 1914 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा चुका है जो लक्ष्य (1950 समूह) का लगभग 98 प्रतिशत है। बीते वर्ष में समूहों की क्षमता संर्वद्धन हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अब तक 450 से ज्यादा समूहों को आजीविका उपार्जन गतिविधि की शुरूआत के लिए ऋण के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को विभिन्न प्रदर्शनियों एवं समारोहों में प्रदर्शित एवं विक्रय किया जा रहा है।

परियोजना की एक उल्लेखनीय उपलब्धि तीन बायॉलोजिक पार्कों का निर्माण रही है। समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में अभेड़ा बायॉलोजिक पार्क, कोटा एवं अजमेर बायॉलोजिकल पार्क, अजमेर के निर्माण हेतु परियोजना से बजट आवंटित किया गया।

परियोजना की अब तक की प्रगति एवं उपलब्धियों की सराहना अध्ययन भ्रमण पर आये जायका के विभिन्न प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों द्वारा तथा जायका द्वारा आयोजित समीक्षा बैठकों में की गई है।

परियोजना अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुएं

परियोजना निदेशक की कलम से ...

वित्तीय वर्ष 2017–18 परियोजना कार्यकाल के अंतिम से पूर्व वर्ष था। लगभग सभी भौतिक लक्ष्यों को प्राप्त किया जा चुका है तथा जायका द्वारा प्रद्धत ऋण राशि में से भी लगभग 91 प्रतिशत राशि का उपभोग हो चुका है। अब तक की भौतिक प्रगति और वित्तिय उपलब्धियां उल्लेखनीय रही हैं।

हर शुरूआत का अंत निश्चित है। परियोजना कार्यकाल के अंतिम वर्ष में सभी से आग्रह है कि अब तक की उपलब्धियों को और सुदृढ़ करें तथा परियोजना अंतर्गत सृजित परिसम्पत्तियों के उचित रखरखाव को सुनिचित करें। स्वयं सहायता समूहों को हर तरह से आत्म निर्भर बनाना सबका प्रमुख लक्ष्य होना जरूरी है।

मेरा पूर्ण विश्वास है कि पूर्व में संचालित परियोजनाओं की भांति यह परियोजना भी राज्य के सामाजिक–आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

शुभकामनाएं।

– **आर.के. गोयल** (आई.एफ.एस)
परियोजना निदेशक

मण्डल प्रबंधन इकाई सिरोही एवं सीकर में समीक्षा बैठक

माह जनवरी 2018 में संयुक्त परियोजना निदेशक (प्रशासन) के नेतृत्व में परियोजना निदेशालय से सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर (BPM), सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर (M & E) तथा प्रोजेक्ट मैनेजर (पब्लिक रिलेशन्स) ने मंडल प्रबंधन इकाई सिरोही का दौरा किया तथा आजीविका संवर्धन के लिए किये जा रहे कार्यों का फील्ड निरीक्षण किया। तदुपरांत परियोजना अधिकारी, उप परियोजना अधिकारी, सहायक लेखाधिकारी एवं NGO कोऑर्डिनेटर के साथ बैठक में आजीविका संवर्धन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठकों की श्रृंखला के अंतर्गत माह जनवरी 2018 में संयुक्त परियोजना निदेशक (प्रशासन) की अध्यक्षता में मंडल प्रबंधन इकाई सीकर में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में उप परियोजना निदेशक (वनीकरण), उप वन संरक्षक सीकर, सहायक वन संरक्षक फतेहपुर, सहायक वन संरक्षक लक्ष्मणगढ़, सहायक लेखाधिकारी सीकर, NGO कोऑर्डिनेटर एवं सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर (BPM) के साथ साथ ग्राम्य वन सुरक्षा प्रबंध समिति के सदस्य सचिव एवं NGO स्टाफ ने भाग लिया।

बैठक में समितियों के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों के गठन, आजीविका संवर्धन, ऋण राशि के पुनर्भुगतान एवं सफल समूहों पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान जहाँ कहीं भी जानकारी का आभाव पाया गया, उसे तुरंत दूर करने के लिए अध्यक्ष महोदय द्वारा सम्बंधित को निर्देश दिए गए। यह भी निर्देशित किया गया कि स्वयं सहायता समूहों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होगा।

शैक्षणिक भ्रमण : गुजरात फॉरेस्ट डवलपमेंट प्रोजेक्ट

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना फेज–2 के अन्तर्गत वन्य जीव चित्तौड़गढ़, उदयपुर व माउण्ट आबू वन मण्डलों के अधीन पारिस्थितिकी विकास समितियों तथा डूंगरपुर व बांसवाड़ा वन मण्डलों की ग्राम्य वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों के सदस्यों एवं स्वयं सहायता समूहों के दल ने माह जनवरी 2018 में गुजरात राज्य जायका परियोजना का भ्रमण किया।

सर्वप्रथम भ्रमण दल ने प्रभागीय प्रबंध इकाई अरावली वन प्रभाग रेंज शामलाजी के ईको ट्यूरिज्म सेन्टर देवकी मौहरी तथा शामलाजी वन क्षेत्र का अवलोकन किया। भ्रमण दल द्वारा यहां समिति सदस्यों द्वारा अगरबती उत्पादन, पानी का टेंकर, डेयरी, वर्मी कम्पोस्ट प्लांट, फ्रूट बागान, मसाला चक्की, लिफ्ट सिचाई आदि आजीविका संवर्धन तथा रेंज अधीन वन सुरक्षा समिति द्वारा वन क्षेत्र के संरक्षण हेतु किये जा रहे कार्यो को देखा गया। रेंज बीलौड़ा के क्षेत्रीय वन अधिकारी श्री प्रियांक पटेल ने बताया कि रेन्ज अन्तर्गत गठित समितियों में समिति एवं स्वयं सहायता समूह संयुक्त रूप से कार्य करते है तथा प्रति वर्ष समिति को घास एकत्रीकरण से 15 से 20 लाख रूपये की आमदनी प्राप्त हो रही है।

तद्उपरान्त भ्रमण दल को पंचमहल डेयरी गोधरा का अवलोकन कराया गया। यहां डेयरी अधिकारियों द्वारा समितियों के माध्यम से दूध एकत्रीकरण, डेयरी में दूध प्रसंस्करण कर दूध उत्पाद बनाने व वितरण/मार्केटिंग की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया गया। गोधरा वन मण्डल की धी कालिया कुंआ वृक्ष उक्षेट सेवा कार्य समिति द्वारा घास व क्षेत्र के संरक्षण से संबंधित जानकारी सांझा करते हुये समिति द्वारा घास के कम्प्रेसड बन्डल बनाकर वन मण्डल को उपलब्ध कराये जा रहे कार्य का भ्रमण करवाया गया।

अगले दिन दल ने ईको डवल्पमेंट केम्प साइड/ईको ट्यूरिज्म सेन्टर धनपुरी में पहुंचकर ई.डी.सी. धनपुरी द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस डिविजन में इको ट्यूरिज्म सेन्टर के पास कड़ा बांध निर्मित है जहां वन विभाग का रेस्ट हाउस बना हुआ है। यहां आने वाले पर्यटकों के रहने व खाने के प्रबंधन की व्यवस्था इस समिति द्वारा की जाकर आय प्राप्त की जा रही है।

इसके उपरान्त दल द्वारा डिविजन छोटा उदेपुर रेंज पाबी जैतसर नाका सजना के अंर्तगत बोरधा गांव का भ्रमण कर 900 हेक्टयेर वन क्षेत्र तथा चिरोंजी वृक्षो को देखा गया। यहां लगभग 3600 चिरोंजी एवं सीताफल के वृक्ष प्राकृतिक रूप से है। वन मण्डल द्वारा चिरोंजी उत्पादन हेतु जैविक प्रमाणीकरण पत्र भी प्राप्त किया गया है जिसके कारण चिरोंजी की अच्छी कीमत मिलती हैं। इस क्षेत्र में सीताफल को भी एकत्रित कर समिति द्वारा बड़ौदा में बेचा जाने लगा है जिससे स्थानीय निवासियों की आय सृजन में वृद्धि हुई है।

तृतीय दिवस भ्रमण दल द्वारा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी व सरदार सरोवर बांध व नहरी तंत्र तथा गॉडकाई वन मण्डली/सुरक्षा समिति द्वारा कराये गये वर्ष 2014 के वृक्षारोपण कार्य का अवलोकन किया गया। इस वृक्षारोपण अन्तर्गत 4440 पौधे नीम, चुरेल, कंरज, करोंदा, बांस, कड़ाया आदि प्रजाति के लगाये गये हैं।

नगातपुर (जय बजरंग) वन मण्डल के अन्तर्गत वन विभाग द्वारा समिति व स्वयं सहायता समूह को उन्नत सिंचाई (जनरेटर सेट, पीवीसी पाईप लाईन, ट्यूबवेल मोटर) टेन्ट, उन्नत बीज व सब्जियों की पौध उत्पादन आदि करवाये गये कार्यो का भ्रमण करवाया गया। अंतिम दिन भ्रमण दल को अक्षरधाम मंदिर दर्शन करवाते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया। समापन कार्यक्रम के दौरान गुजरात जैव विविधता परियोजना के अति. प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री नित्यान्त श्रीवास्तव व उप वन संरक्षक श्री एन.डी.वाघेला ने दल सदस्यों को संबोधित किया व भ्रमण दल द्वारा किये गये अनुभवों की जानकारी ली।

Project Physical Progress

S. No.	Items	Unit	Project Target	Achievement up to FY 2016-17	Achievement FY 2017-18	Cummulative Achievement	% Achievement
1	**Afforestation Work**						
a.	Advance Action	Ha.	83650	83650	0	83650	100.00
b	Planting	Ha.	83650	77918	5758	83676	100.03
2	**Water Conservation Structures**						
a.	Anicut Type-I	Nos.	600	304	186	490	81.67
b	Anicut Type-II	Nos.	400	272	128	400	100.00
c	Check Dams	Cumt.	200000	199781	219	200000	100.00
d	Contour bonding	Rmt.	500000	491278	9689	500967	100.19
e	Percolation Tank	Nos.	700	698	2	700	100.00
f	Renovation / restoration of TWHS	Nos.	200	200	0	200	100.00
g	Silt Detention Structure	Nos.	300	296	4	300	100.00
h	Gabion Structures	Nos.	500	498	2	500	100.00
3	**Biodiversity Conservation**						
a.	DLT Works	Ha.	12000	10996	1004	12000	100.00
b.	Development of Water Points	Nos.	100	100	0	100	100.00
b.	Closure for Biodiversity Conservation	Ha.	5000	5000	0	5000	100.00

Project Financial Progress

Fin. : Rs. in Lacs

S. No.	Item	Project Budget	Achievement Till 2016-17	Achievement 2017-18	Cumulative Achievement	% Achievement
1	Afforestation	42328	47558.59	6067.24	**53625.83**	126.69
2	Agro Forestry Activities	163	40.74	26.51	**67.25**	41.26
3	Water Conservation Structures	4692	4762.65	1249.15	**6011.80**	128.13
4	Biodiversity Conservation	8436	10227.16	731.87	**10959.03**	129.91
5	Poverty Alleviation and Livelihood Improvement	1689	450.26	241.15	**691.41**	40.94
6	Capacity Building Training & Research	634	232.22	31.63	**263.85**	41.62
7	Community Mobilization	6542	4836.58	397.84	**5234.42**	80.01
8	Project Management	2982	1831.85	184.27	**2016.12**	67.61
9	Monitoring & Evaluation	590	161.77	14.98	**176.75**	29.96
10	Contractual Personnel for PMU	1496	988.54	225.15	**1213.69**	81.13
11	Price Escalation, Contingency, Consulting services	18926				
	Total	**88477**	**71090.36**	**9169.79**	**80260.15**	**90.71**
	Administrative Cost (State Share)	26776	14787.00	3395.00	18182.00	**67.90**
	Grand Total	**115253**	**85877.36**	**12564.79**	**98442.15**	**85.41**

संपादक मण्डल: संरक्षक **आर.के. गोयल** परियोजना निदेशक; संपादक **एम.के. अग्रवाल** संयुक्त परियोजना निदेशक; सहायक संपादक **एस.आर. यादव** **जी. के. वर्मा**; संयोजन संयोग मिश्र; साज-सज्जा गिरधारी लाल चौधरी

प्रकाशक : राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2), अरावली भवन, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.) 302004, फोन : 0141–5199660